संपादकीय

सजा पाएं बड़े गुनहगार

1984 के सिख विरोधी दंगों में 34 साल बाद पहली बार किसी को मौत की सजा सुनाई गई है। इससे दंगा पीड़ितों को राहत मिली है और यह उम्मीद बढ़ी है कि इस हत्याकांड के ज्यादा रसूख वाले गुनहगारों पर भी देर-सबेर कानून का शिकंजा कसेगा। पटियाला हाउस कोर्ट ने मंगलवार को 1984 सिख दंगों के मामले में यशपाल सिंह को फांसी और नरेश सेहरावत को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने दोनों पर 35-35 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इन्हें दिल्ली के महिपालपुर में हुए दंगों में हरदेव सिंह और अवतार सिंह को जान से मारने का दोषी पाया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले इस मामले में 1996 में एक आरोपी किशोरी लाल को भी फांसी की सजा सुनाई गई थी मगर बाद में उसे उम्रकैद में बदल दिया गया। सिख विरोधी दंगा भारतीय इतिहास का एक काला अध्याय है, जो कहीं न कहीं हमारे समाज और सिस्टम की तस्वीर बयान करता है। रात के अंधेरे में नहीं, दिन के उजाले में हजारों निर्दोष लोगों को क्रूरतापूर्वक मारा गया, उनकी संपत्ति लूटी गई। लेकिन इन सबके लिए जनसामान्य को उकसाने वाले आज भी आजाद घूम रहे हैं। इस बर्बरता को जायज ठहरने वालों की भी कोई कमी नहीं है। यह हमारे देश की विडंबना है कि दंगों की सैद्धांतिकी रचने वाले, उसकी योजना बनाने वाले और उसके लिए लोगों को तैयार करने वाले दोषी नहीं ठहराए जाते। इसके विपरीत ऐसी घटनाएं कई बार समाज में उनका रूतबा बढ़ाने वाली साबित होती हैं! सिख विरोधी दंगों की जांच में पुलिस-प्रशासन का रवैया प्राय: मामले पर पर्दा डालने का रहा, जिससे प्रमुख आरोपी बचते चले गए। दंगों की जांच के लिए मारवाह आयोग, मिश्रा आयोग और नानावती आयोग समेत कुल दस आयोग और समितियां (जैन-बनर्जी समिति, कपूर-मित्तल समिति) बनाई गईं। कुछ लोगों को उम्रकैद तक की सजा हुई लेकिन दंगे भड़काने के आरोपी दो बड़े कांग्रेसी नेताओं को स्थानीय अदालत ने बरी कर दिया। इनका जांच से बच निकलना दंगा पीड़ितों के परिजनों के घाव को और गहरा करता रहा है। वे इन्हें मुख्य दोषी मानकर इन्हें सजा देने की मांग करते रहे हैं। सचाई यह है कि महिपालपुर दंगे का मामला भी तभी मुकाम तक पहुंचा जब एसआईटी ने इस मामले को अपने हाथ में लिया, वरना पुलिस ने तो यह फाइल ही बंद कर दी थी। गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने फरवरी 2015 में इस एसआइटी का गठन किया, जिसने कई बंद फाइलें फिर से खोलीं और कई केसों में आरोपपत्र दाखिल किए। इनमें से कुछ में सज्जन कुमार का नाम भी है। इसी तरह की चुस्ती 2002 के गुजरात दंगों समेत देश के तमाम बड़े दंगों का परदे के पीछे से संचालन करने वालों के खिलाफ भी दिखाई जाए तो इससे हमारे सिस्टम की ढीली-ढाली छवि सुधरेगी और हम वास्तविक अर्थों में एक सभ्य समाज होने की ओर बढ़ेंगे।

कर्ज न चुकाने वालें लोगों पर बैंक कसेगा शिकंजा, सीईओ को मिला ये अधिकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों और फ्रॉड कर देश छोड़कर भाग जाने वालों पर लगाम कसने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने पब्लिक सेक्टर बैंकों के सीईओ को संदिग्धों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने के लिए अनुरोध करने का अधिकार दे दिया है। यह कदम सरकार ने ऐसे समय में उठाया

है, जब देश से विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के जैसे कारोबारी बैंकों का पैसा लेकर भाग चुके हैं।

गृह मंत्रालय ने हाल ही में एक सर्कुलर में बदलाव करते हुए सरकारी बैंकों के सीईओ को उन अधिकारियों की लिस्ट में शामिल कर दिया है, जो मंत्रालय से किसी खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने के लिए अनुरोध कर सकते हैं। पब्लिक सेक्टर बैंकों को मजबूती देने के लिए मंत्रालय ने यह कदम एक इंटर-मिनिस्ट्रियल पैनल द्वारा दिए गए सुझावों के बाद उठाया है।

मंत्रालय के इस कदम के बारे में पूछे जाने पर वित्तीय सेवाओं के सचिव राजीव कुमार ने कहा कि सरकार ने यह फैसला बैंकिंग सेक्टर को साफ-सुथरा बनाने के अभियान को आगे बढ़ाते हुए लिया। पीएनबी फ्रॉड सामने आने और इससे जुड़े नीरव मोदी एवं मेहुल चौकसी के देश से भागने के बाद वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों से उन सभी उधार लेने वालों की पासपोर्ट डीटेल्स जमा करने को कहा, जिन्होंने 50 करोड़ रुपये से ज्यादा का उधार लिया है।

कुमार ने बताया, सिर्फ पासपोर्ट डीटेल्स होने से बैंकिंग सेक्टर को सशक्त नहीं बनाया जा सकता था, बल्कि इसके लिए सरकारी बैंकों के सीईओ को जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों और फ्रॉड करने वालों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने के लिए अनुरोध करने का अधिकार देना भी जरूरी था ताकि किसी भी संदिग्ध को देश से भागने से रोका जा सके।

भारत बनाम आस्ट्रेलिया: क्यों होना चाहिए चहल को टीम में!

नई दिल्ली। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले टी20 इंटरनैशनल मैच में भारत को 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में टीम इंडिया के चयन को लेकर कुछ सवाल भी उठे थे। ऐसे में शुक्रवार को खेले जाने वाले दूसरे टी20 इंटरनैशनल से पहले टीम के सामने कई सवाल हैं। इस बारे में भारतीय स्पिनर मुरली कार्तिक टीम इंडिया में युजवेंद्र चहल को देखना चाहते हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शॉन टेट का मानना है कि मेजबान टीम को नाथन कूल्टर नाइल को मौका देना चाहिए।

क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइंफो से बातचीत में टेट ने कहा कि एक विनिंग कॉम्बिनेशन को छेड़ना मुश्किल होता है लेकिन कई बार आपको गेम से आगे सोचना पड़ता है। उन्होंने कूल्टर नाइल को मौका देने की वकालत करते हुए कहा, वह

अच्छी और तेज गेंदबाजी करते हैं। आईपीएल में उन्होंने बढ़िया बोलिंग की है। मुझे लगता है कि उन्हें टीम में शामिल करना चाहिए।

कूल्टर नाइल को किसके स्थान पर शामिल किया जाए यह भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने बड़ी चुनौती है। एक जीती हुई टीम में छेड़छाड़ करने को सही नहीं माना जाता पर टेट का कहना है कि उन्हें ऐंड्रू टाय के स्थान पर मौका मिल सकता है। टेट ने कहा, टाय का रेकॉर्ड अच्छा है लेकिन आपको कूल्टर नाइल को मौका चाहिए। ऐसे में टाय या बेरनडॉफ को टीम से बाहर बैठाया जा सकता है। टेट ने पहले टी20 इंटरनैशनल में 22 रन देकर 2 विकेट लेने वाले लेग स्पिनर एडम जंपा को टीम में रखने की वकालत की।

वहीं बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर मुरली कार्तिक मानते हैं कि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को टीम में होना चाहिए। उन्होंने वेबसाइट से कहा कि हालांकि क्रुणाल पंड्या निचले क्रम में बल्लेबाजी का विकल्प देते हैं लेकिन उसके लिए आप एक विकेट लेने वाले गेंदबाज को बाहर नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि जब आपके पास पांच विशेषज्ञ गेंदबाज हों जो 20 ओवर पूरे गेंदबाजी कर सकें तो इसका काफी फायदा होता है। कार्तिक ने कहा, टी20 क्रिकेट में आपको विकल्प चाहिए होते हैं लेकिन यह एक विशेषज्ञ गेंदबाज की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

साल भर बाद डॉलर रिजर्व बढ़ाने में जुटा आरबीआई

मुंबई (आरएनएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया फिर से डॉलर रिजर्व बढ़ाने में जुट गया है। पिछले 11 महीनों से डॉलर रिजर्व में लगातार कमी आने के बाद नवंबर के पहले दो हफ्तों में उसने यह पहल शुरू की है। आरबीआई को रुपये को सपॉर्ट देने के लिए डॉलर की जरूरत पड़ती है। उसे डॉलर रिजर्व बढ़ाने में विदेशी निवेश फिर से शुरू होने से भी मदद मिली है।

माना जा रहा है कि आरबीआई ने नवंबर के पहले हफ्ते में 50 करोड़ डॉलर खरीदे हैं, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने यह अनुमान लगाया है। रिजर्व बैंक आगे भी डॉलर की खरीद जारी रख सकता है। इस साल अक्टूबर तक के 11 महीनों में वह स्पॉट और फ्यूचर्स मार्केट में डॉलर बेच रहा था क्योंकि डॉलर के मुकाबले रुपया 74.48 के रिकॉर्ड लो लेवल तक चला गया था। इस बारे में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की सीनियर इकनॉमिस्ट अनुभूति सहाय ने बताया, कच्चे तेल के दाम में कमी, विदेशी निवेश में रिवाइवल और रुपये में रिकवरी के बीच शायद आरबीआई ने नवंबर के पहले हफ्ते में डॉलर की खरीदारी की है। क्या यह ट्रेंड आगे भी बना रहेगा? अनुभूति के मुताबिक, यह तेल की कीमत और विदेशी निवेश पर निर्भर करता है।

नवंबर के पहले हफ्ते में रुपये में रिकवरी हुई और यह इमर्जिंग मार्केट्स की टॉप तीन बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली करंसी में शामिल रहा।

प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए सड़कों पर दौड़ेगी नैनो से छोटी कार

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रदूषण और पार्किंग की बढ़ती समस्या को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने 4 पहियों वाली ट्रिसाइकिल (एक तरह की कार) को मंजूरी दे दी है। सड़क यातायात एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस वाहन के निजी वाहन के तौर पर इस्तेमाल के लिए अधिसूचना जारी की है। टाटा नैनो सो भी छोटी इस कार की कीमत 1.5 से 2 लाख रुपये के बीच हो सकती है।

टेलिकॉम उद्योग को लगेगा झटका, अगले 6 महीने में बंद हो जाएंगे 6 करोड़ सिम कार्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)। टेलिकॉम इंडस्ट्री को भयंकर झटका लगने की आशंका है। मसलन अगले 6 महीने में 6 करोड़ एसआईएम कार्ड बंद हो जाएंगे। टेलिकॉम में अगले 6 महीने में सब्सक्राइबर्स की संख्या 6 करोड़ घट जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि लोग अलग-अलग कंपनियों के मल्टीपल सिम रखने के बजाए एक टेलिकॉम कंपनी का एक ही सिम रखने को तरजीह दे रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले कुछ दिनों में प्राइस और डेटा वॉर की वजह से लगभग सभी कंपनियों के प्लान एक जैसे होने लगे हैं। ऐसे में ग्राहक अलग-अलग सिम कार्ड रखने के झंझट का खत्म करना चाहते हैं।

एक आर्थिक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले 6 महीने में लगभग 6 करोड़ एसआईएम बंद हो जाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि अब लोग दो सिमकार्ड रखने की जगह एक ही कार्ड को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में सीओएआई के डायरेक्टर जनरल राजन मैथ्यू के हवाले से लिखा है कि आने वाले महीने में मोबइल यूजर्स की संख्या में 2.5 से 3 करोड़ की कमी आ सकती है।

कार्तिक पूर्णिमा 2018: सिख धर्म में भी खास है यह दिन कहलाता है गुरू पर्व

सिख सम्प्रदाय में कार्तिक पूर्णिमा का दिन प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है, इसलिए इसे प्रकाश पर्व भी कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसी दिन सिखों के संस्थापक गुरू नानक देव जी का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयायी सुबह स्नान कर गुरूद्वारों में जाकर गुरूवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताये रास्ते पर चलने की शपथ लेते हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि आज के दिन ही भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक असुर का अंत किया था। ऐसी मान्यता है कि इस दिन कृतिका में शिव शंकर

के दर्शन करने से सात जन्म तक व्यक्ति ज्ञानी और धनवान होता है। इस दिन चन्द्र जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छ: कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी का आर्शवाद प्राप्त होता है। इस दिन गंगा नदी में स्नान करने से भी पूरे वर्ष स्नान करने का पुण्य फल मिलता है।

इस दिन व्रत रखने और दान पुण्य करने का अत्यधिक महत्व माना गया है। मान्यता है कि इस पूर्णिमा पर पूरे दिन व्रत रखकर रात्रि में वृषदान यानी बछड़ा दान करने से शिवपद की प्राप्ति होती है। जो व्यक्ति इस दिन उपवास करके भगवान भोलेनाथ का भजन और पूजन करता है उसे अग्निष्टोम नामक यज्ञ के तुल्य फल प्राप्त होता है। इस पूर्णिमा को शैव मत में जितनी मान्यता मिली है उतनी ही वैष्णव मत में भी मानी जाती है। महर्षि अंगिरा द्वारा लिखित स्नान के प्रसंग में बताया गया है कि यदि इस दिन पवित्र नदी में स्नान करते हुए कुशा ना ग्रहण की जाये और दान करते समय हाथ में जल एवम् जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है।

आज का राशिफल

मेष:- मित्रों के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। आकस्मिक उपहार मिल सकता है। गणेशजी कहते हैं कि आज आर्थिक लाभ मिलने की भी संभावना है। प्रवास की तैयारी रखें। नए कार्य शुरू कर सकते हैं।

वृषभ:- स्वास्थ्य नरम रह सकता है। परिवार में सेहियों का विरोध मतभेद खड़ा करेंगे जिससे ग्लानि होगी। परिश्रम का उचित मुआवजा न मिलने के कारण निराशा महसूस करेंगे।

मिथुन:- सामाजिक, आर्थिक तथा पारिवारिक क्षेत्र में लाभ मिलेगा। समाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों की तरफ से लाभ भी होगा और उनके पीछे पैसे भी खर्च हो सकते हैं। दांपत्यजीवन में मधुरता का अनुभव करेंगे।

कर्क:- नौकरी व्यवसाय के क्षेत्र में अधिकारियों के प्रोत्साहन से उत्साहित होंगे। माता तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अधिक निकटता रहेगी। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होने से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह:- नौकरी व्यवसाय में व्यवधान प्रगति में बाधक बनेगी। पदाधिकारियों से आज दूर रहने में ही भलाई है। क्रोध को वश में रखना आवश्यक है। धार्मिक कार्यों या यात्रा-प्रवास से भक्ति भाव प्रकट होंगे।

कन्या:- शत्रु विघ्न उपस्थित कर सकते हैं, सावधान रहें। संभव हो सके तो आज नए कार्य की शुरुआत टाल दें। जलाशय से दूर रहना हितकर है। अत्यधिक खर्च होगा। गूढ़ विद्याओं और रहस्यमय बातों में रुचि जगेगी।

तुला:- दैनिक कार्यों के बोझ से हल्का होने के लिए आज आप पार्टी, सिनेमा, नाटक या पर्यटन का आयोजन कर सकते हैं। नए वस्त्रालंकार खरीदने या परिधान बनाने का अवसर प्राप्त होगा। सार्वजनिक मान-सम्मान के अधिकारी बनेंगे।

वृश्चिक:- आपके हाथ में आए हुए अवसर हाथ में से सरकते हुए प्रतीत होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद हो सकते हैं। ननिहाल पक्ष से कोई समाचार मिलने से मन व्यग्र होगा। आय की अपेक्षा व्यय की मात्रा अधिक रहेगी।

धनु:- उदर संबंधी रोग से परेशान हो सकते हैं। कार्य की असफलता आपके अंदर हताशा लाएगी। क्रोध पर संयम रखें। साहित्य, लेखन तथा कला के प्रति गहरी रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों से मुलाकात रोमांचक बनी रहेगी।

मकर:- मन में चिंता की भावना रहेगी। समय से भोजन और निद्रा में परेशानी संभव है। स्त्री वर्ग से कोई नुकसान हो सकता है। धन खर्च और अपयश से संभलने की गणेशजी सलाह देते हैं।

कुंभ:- बुजुर्गों और मित्रों की तरफ से लाभ की अपेक्षा रख सकते हैं। आनंदपूर्वक समय व्यतीत करने का मौका मिलेगा। प्रिय व्यक्ति यों का साथ और दांपत्यजीवन में अधिक घनिष्ठता अनुभव करेंगे।

मीन:- आर्थिक आयोजन करने के लिए आज शुभ दिन है। निर्धारित कार्य पूरे होंगे। आय बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। सुरुचिपूर्ण भोजन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

बास्केट चाट- स्वाद वही तरीका नया

चाट का स्वाद तो हर किसी ने चखा होगा लेकिन बास्केट चाट खाने में जितना टेस्टी होता है दिखने में उतना ही अलग। लखनऊ के इस मशहूर स्ट्रीट फूड को घर में कैसे बना सकते हैं, जानेंगे यहां।

सामग्री :-

बास्केट बनाने के लिए

सामग्री-

मैदा- 1 कप, नमक- द चम्मच, तेल- 3 चम्मच

चाट बनाने के लिए सामग्री-

आलू- 1 कप (उबले और मैश किए हुए) , हरी या सफेद मटर- 1 कप (उबली हुई), इमली की चटनी- 3 चम्मच, दही- 3 चम्मच, अदरक- द चम्मच, धनिया के पत्ते- 2 चम्मच, लाल मिर्च- द चम्मच, चाट मसाला- द चम्मच, प्याज- 1(बारीक कटा), नमक- स्वादानुसार

विधि :-

आटा, नमक और तेल मिलाकर इसका नरम आटा गूंथ लेंगे।

अब गूंथे हुए आटे की लोई बनाकर इसे बेल लें।

बास्केट बनाने के लिए चपाती को लंबी-लंबी पट्टियों में काट लें। फिर किसी स्टील की कटोरी को उल्टा कर उस पर तेल लगाकर कुछ पट्टियों को वर्टिकली फिर हॉरिजॉन्टली लगाएं।

अब कटोरी को गर्म तेल में डाल दें। और मीडियम आंच पर सुनहरा होने तक तलें। जिससे वो अच्छे से पक जाए।

कटोरी को बाहर निकालकर स्टील की कटोरी को अलग कर लें।

अब बास्केट में सबसे पहले उबले हुए आलू डालें। आप चाहें तो इनकी टिक्की बनाकर भी डाल सकती हैं।

फिर उबले मटर, मीठी दही, इमली की चटनी, अदरक, प्याज, चाट मसाला, जीरा पाउडर और हरी धनिया डालें। बाकी बास्केट को भी ऐसे ही तैयार करें। और सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-96

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

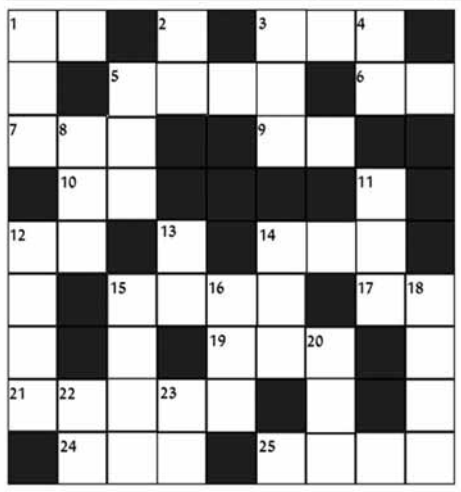

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

सू-दोकू-96

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.95 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2